RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-14 | अंक 11 | अक्टूबर 2018 | विक्रमी सं. 2075 | मूल्य : एक रुपया

अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न, हुआ तीन वर्षों का खाका तैयार

(चेन्नई) विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की तीन दिवसीय बैठक की प्रस्तावना में अ.भा. संगठन मंत्री मा. जे.एम. काशीपति जी ने आगामी तीन वर्षों की योजनाओं की निर्मिति एवं संगठनात्मक रचना के विस्तार और सुदृढ़ता के लिए नए-नए कार्यकर्ताओं के विकास पर बल दिया। वहीं देश के बदलते परिस्थिति पर भी चर्चा की। राष्ट्रीय परिदृश्य व वनवासी क्षेत्रों की बदलती स्थिति, आदिवासी आन्दोलन, पृथकतावाद, राजनीतिक परिदृश्य, विघटनकारी नक्सलवाद, शहरी माओवाद, चर्च की गतिविधियाँ, सांस्कृतिक क्षेत्र में क्षरण से भोगवाद, जल संरक्षण आदि विभिन्न मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा की गई। यह बैठक दिनांक 21, 22, 23 सितम्बर 2018 को चेन्नई में सम्पन्न हुई। देश भर से 173 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में विद्या भारती के विभिन्न आयामों शिशु वाटिका, जनजाति क्षेत्र की शिक्षा, ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा, बालिका शिक्षा आदि विभिन्न सत्रों में गुणात्मक विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी प्रकार संस्कृति बोध परियोजना, जिसके अंतर्गत 11 भारतीय भाषाओं के लाखों छात्र संस्कृति ज्ञान परीक्षा देते हैं। विद्वत् परिषद्, शोध, शैक्षिक उन्नयन हेतु नवीन प्रयोग विद्या भारती की विशेषता बन चुके हैं।

जिला केन्द्र प्रवास के माध्यम से सभी जिलों में शैक्षिक वातावरण सुदृढ़ हो, एक लाख गाँवों से अभी विद्यार्थी हमारे विद्यालयों में आते हैं, यह संख्या और बढ़े आदि की दृष्टि से आगामी वर्षों में काम को गति देने की योजना बनी है।

केरल की विभीषिका में विद्यालयों को बहुत हानि पहुँची है, इसके लिए सहायता की दृष्टि से योजना बनी है। अभी तक ढ़ाई करोड़ की राशि भेजी जा चुकी है। इस हेतु और भी संग्रह चल रहा है। खेल आदि शिक्षणेतर गतिविधियों में पूर्वपेक्षा विद्या भारती पर्याप्त आगे बढ़ी है। बैठक में 9 पुस्तकों का विमोचन हुआ।

मा. (डॉ.) गोविन्द प्रसाद जी के अध्यक्षीय वक्तव्य में विद्या भारती के उत्तम परीक्षा परिणाम, शिक्षणेतर गतिविधि, खेल आदि में लम्बी छलांग और शिक्षा नीति की निर्मिति में विद्या भारती के योगदान की चर्चा की। वरिष्ठ प्रचारक मा. रंगाहरि जी का तीनों दिन सान्निध्य और मागदर्शन मिला। मा. रंगाहरि जी ने पाथेय में कहा कि विद्या भारती सम्पूर्ण भारत ही नहीं, संसार का सबसे बड़ा शिक्षा का आन्दोलन है। यहाँ मूल ढाँचागत सुविधाएँ उत्तम श्रेणी की हों, यह आवश्यक है लेकिन संस्कार भी उतने ही आवश्यक हैं। इसके लिए आचार्य और आचार्या, माता-पिता का प्रबोधन भी उतना ही आवश्यक है। हमारा लक्ष्य बालक को वैयक्तिक व्यक्ति नहीं, राष्ट्रभक्त बनाने का हो, धर्मनिष्ठ, समाजनिष्ठ, देशभक्त बने तभी विद्या भारती आधुनिक आन्दोलन बनेगा, भगवान आशीर्वाद दें और वे आशीर्वाद देंगे ही। वंदेमातरम् के साथ बैठक का समापन हुआ।

डॉ० ललित बिहारी गोस्वामी

ओड़िशा प्रांत की वाद्य-वादन कार्यशाला

(ओड़िशा) शिक्षा विकास समिति, ओड़िशा के तत्त्वावधान में प्रांत स्तर पर संगीत विभाग की सात दिवसीय वाद्य-वादन कार्यशाला 19 से 25 अगस्त 2018 को आयोजित की गई। जिसमें प्रत्येक संकुल के दो आचार्य/आचार्या अपेक्षित थे। एक तबला वादन के लिए दूसरा हारमोनियम वादन के लिए। हारमोनियम के लिए 36 तथा तबला के लिए 16, कुल 52 शिक्षार्थी तथा 4 शिक्षक तीन आचार्य व एक आचायाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के नाते दिल्ली दूरदर्शन के अवकाश प्राप्त केन्द्र निदेशक पंडित ए. महेश्वर राव, सुविख्यात संगीत कम्पोजर श्री विश्वनाथ मिश्र, माननीय गोविन्द चन्द्र महन्त (सह संगठन मंत्री विद्या भारती) तथा माननीय रमाकान्त महन्त (सह संगठन मंत्री, शिक्षा विकास समिति, ओड़िशा) उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में वन्दना और प्रार्थना का स्वरलिपि के साथ अभ्यास एवं सामान्य अलंकारों (काफी और भैरवी थाट के स्वर) का अभ्यास करवाया गया। साथ ही तबला वादन में त्रिताल और कहरवा का अभ्यास करवाया गया।

विद्या भारती की पुस्तकों का लोकार्पण महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने किया

(कुरुक्षेत्र, हरि.) हरियाणा साहित्य अकादमी ने विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान की 09 पुस्तकों का लोकार्पण किया। जिसमें हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि जो समाज में घटित हो रहा है, उसी को हमें साहित्य में सृजित नहीं करना अपितु कुछ ऐसी चुनौतियाँ हमारे सामने आ रही हैं जिन्हें आनेवाली पीढ़ियों को दिखाकर हमें सचेत करने की भी आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि समाज में ऊँच-नीच, छोटा-बड़ा का भाव समाज को तोड़ रहा है। इसके लिए हमें साहित्य सृजन में ऐसा प्रयास करना चाहिए कि समाज में समरसता का वातावरण पैदा हो सके। जिससे कि अपना देश उन्नत हो एवं सब एक दूसरे के साथी बनकर एक दूसरे का सहयोग करें। समाज में आज विभिन्न चुनौतियाँ जैसे- पर्यावरण असंतुलन, नशाखोड़ी, बहू-बेटियों की सुरक्षा, जहरमुक्त खेती, प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ इत्यादि मुद्दों पर भी सद्साहित्य सृजन करनी चाहिए।

महामहिम आचार्य देवव्रत जी ने भारत के लिए परिवार टूटने की सांस्कृतिक खतरा को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि परिवारों में एकल परिवार की परम्परा बढ़ती जा रही है। जहाँ मातृ देवोभव, पितृ देवोभव, अतिथि देवोभव का भाव था, आज वहाँ माँ-बाप तक के लिए घर में जगह नहीं है। भारत जैसे देश में वृद्धाश्रम की परम्परा चल पड़ी है। बुढ़े माँ-बाप को जिस समय सहारे की जरूरत रहती है, उस समय उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़ दिया जाता है। आज का पढ़ा-लिखा समाज किस संस्कृति की ओर जा रहा है, इसे सद्साहित्यों के माध्यम से ही सही दिशा दी जा सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह पुस्तक विद्या भारती द्वारा विभिन्न विषयों पर तैयार की गई प्रेरणादायी एवं रोचक है। इन पुस्तकों में ''चंदा सुने कहानी, मन सब शक्तियों का आगार, माता-जीवन निर्माता, ऐसे थे अपने भाऊराव देवरस, पर्यावरण और हम, विश्व चैतन्य की अनुभूतियाँ, गीता अनुचिंतन, बालिका शिक्षा, स्मरणांजलि'' है।

इस अवसर पर हरियाणा साहित्य अकादमी की निदेशक सुश्री कुमुद बंसल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. लालचंद गुप्त मंगल, हरियाणा उर्दू अकादमी के निदेशक श्री चंद्र त्रिक्खा मंचासीन रहे। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि विद्या भारती शिक्षा संस्थान अपने सद्साहित्य के प्रकाशन में हर वर्ष अलग-अलग विषयों को लेकर कुछ नवीन पुस्तकें अपने प्रकाशन में सम्मिलित करता है, जिससे न केवल विद्या भारती के छात्रों, आचार्यों अपितु समाज के अन्य वर्गों को भी इस साहित्य को पढ़कर प्रेरणा मिले।

इस अवसर पर विभिन्न साहित्यकारों की लगभग 48 पुस्तकों का भी लोकार्पण हुआ। समारोह में हरियाणा के 40 साहित्यकार, लेखक एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

डॉ. रामेन्द्र सिंह

मध्य भारत प्रांत का दो दिवसीय गणित कार्यशाला का आयोजन

(शिवपुरी, म.प्र.) मध्य भारत प्रांत के जिला शिवपुरी के सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में गणित शिक्षण को रोचक एवं क्रिया आधारित बनाने की दृष्टि से दो दिवसीय गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नौ जिलों के चयनित विद्यालयों से आचार्य/आचार्या एवं भैया/बहिनों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम दिन 26 गणित के मॉडल का निर्माण किया गया। दूसरे दिन भी ऐसे ही और 26 गणित के मॉडल तैयार कर सभी मॉडलों को आचार्य/आचार्या एवं भैया/बहिनों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

यह कार्यशाला आंध्रप्रदेश (विजयवाड़ा) के गणित विशेषज्ञ श्री सत्यनारायण जी शर्मा एवं उनके सहयोगी श्री सुरेश जी व श्रीमती कनक दुर्गा के मार्गदर्शन में चला। कार्यशाला में 22 चयनित विद्यालयों के 41 भैया-बहिन एवं 24 आचार्य-दीदी उपस्थित रहे। जिन्होंने दो दिनों में 52 मॉडल्स का निर्माण किया। कार्यशाला में शिवपुरी विभाग के विभाग समन्वयक श्री ज्ञानसिंह कौरव, नगर के ख्याति प्राप्त गणित शिक्षक श्री सुदर्शन गुप्ता एवं प्राचार्य श्री पवन शर्मा के साथ पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

विद्या भारती मालवा प्रांत की बौद्धिक प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

(मध्यप्रदेश) मालवा प्रांत के सरस्वती विद्या मंदिर शाजापुर (बड़ोद) में एक बौद्धिक प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञातव्य हो कि यह प्रतियोगिता प्रांत स्तर पर अयोजित हुई, जिसमें तीन बहनों ने (जया केवट, दिशा गुप्ता, प्रितिका खोड़े) सामान्य प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि. केशव नगर के भैया/बहिन महिमा दांगड़ निबंध, बहिन वर्षा झाला तात्कालिक भाषण, बहिन सानिया यादव रंगोली, भैया विश्वेष पंवार तबला वादन तथा भैया गोकुल परमार ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता भैया/बहिन 29 व 30 अक्टुबर को श्रीमती सुनीता अग्रवाल के नेतृत्व में बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में सहभाग करेंगे। विजेता बहनों को आचार्य परिवार द्वारा सम्मानित किया गया तथा आगामी क्षेत्रीय प्रतियोगिता में सभी भैया-बहनें विजयी होकर लौटें, यह मंगल कामना की गई।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री महेश पाटीदार ने भैया-बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सफलता से विद्यालय एवं माता-पिता का गौरव बढ़ता है। भैया-बहनों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल आदि में भी कड़ी मेहनत करना चाहिए। मेहनत करने से ही हम नित नई उँचाईयों को छू सकते हैं।

माधव विद्या निकेतन में दो दिवसीय प्रतिभा विकास कार्यशाला आयोजित

(अमृतसर, पंजाब) माधव विद्या निकेतन सी.सै. स्कूल रंजीत एवेन्यू में दिनांक 29-30 सितम्बर को दो दिवसीय प्रतिभा विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सर्वहितकारी शिक्षा समिति शैक्षिक विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में कक्षा आठवीं, दसवीं तथा बारहवीं के वह प्रतिभावान छात्र-छात्राएँ सम्मलित हुए, जो सोसाईटी के जीनियस टेस्ट में 90 से अधिक अंक प्राप्त किए थे। इसमें 17 विद्यालयों से लगभग 80 विद्यार्थी शामिल हुए। परीक्षा से पूर्व तैयारी करने के ऐसे सुझाव प्राप्त किए, जिनको अपनाकर विद्यार्थी परीक्षा में अव्वल स्थान प्राप्त कर सकता है। इस कार्यशाला के लिए समाज के जाने-माने जो अनुभवी व बुद्धिजीवी आंमत्रित थे, इनमें श्रीमती रतिन्द्रकौर सिद्धू (आई.आर.एस. डिप्टी कमिश्नर आयकर विभाग, अमृतसर), डॉ. दविन्दरसिंह जोहल (एच.ओ.डी. साईकोलॉजी जी.एन.डी.यू.), डॉ. करुणेश गुप्ता (ई.एन.टी. सर्जन, अमृतसर), डॉ. गौरव सच्चर (प्रधानाचार्य डेराबस्सी, सर्वहितकारी), रजनीश अरोड़ा (पूर्व वाईस-चासंलर पी.टी.यू.) तथा डॉ. विजय बंगा (प्रिंसीपल ए.सी.ई.टी. अमृतसर) का नाम उल्लेखनीय है।

पहला सत्र में कठिन परिश्रम के महत्व के बारे में श्रीमती रतिन्द्र कौर ने कहा कि पहले हमें अपना लक्ष्य पता होना चाहिए, फिर उसकी प्राप्ति के लिए हमें दिन-रात एक कर देना चाहिए। हमें अपनी शक्ति, कमजोरी तथा सीमाओं से परिचित होना चाहिए। आज के समय में उन्होंने सफलता प्राप्ति का महत्वपूर्ण पहलू नैटवर्किंग को बताया।

दूसरे सत्र में डॉ. दावेन्द्र सिंह जोहल जी ने पढ़ाई को प्रभावशाली बनाने के लिए कहा कि कक्षा में जो पढ़ा-सुना, उसका सारांश तैयार करें।

तीसरे सत्र के वक्ता डॉ. करूनेश गुप्ता जी ने विद्यार्थियों को जीवन में अच्छा मुकाम हासिल करने के लिए अपनी सीमाओं को लांघकर कुछ आगे बढ़कर प्रयत्नशील बनने के लिए प्रेरित किया।

चौथे सत्र में डॉ. गौरव सच्चर ने परीक्षा में अच्छी सफलता प्राप्त करने के बारे में बताते हुए कहा कि सबसे पहले अपने पर विश्वास करें व सबसे पहले परीक्षा में उन प्रश्नों को हल करें, जिनके बारे में आप पूरी तरह से आश्वस्त हैं।

पांचवें सत्र में डॉ. रजनीश अरोड़ा ने विद्यार्थियों से पूछा कि उनका लक्ष्य क्या है? क्यों है? तथा वह उन्हें कैसे पूरा करेंगे? विद्यार्थियों ने भी खुलकर उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रत्येक विद्यार्थी को अपना लक्ष्य स्पष्ट था। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की उक्ति को दोहराते हुए कहा कि हमें अपना लक्ष्य पूरा करते समय मानवीयता को नहीं भूलना चाहिए।

छठवें सत्र के संयोजक डॉ. करुनेश गुप्ता ने बताया कि विजेता बनने के लिए हमें अपनी शक्ति का ज्ञान होना चाहिए, जिसके अनुसार हम अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकें। समय का सदुपयोग करते हुए इसको व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए। सक्रिय रहते हुए अपने आपको नई-नई जानकारियों से जोड़े रखना चाहिए।

सातवें सत्र में डॉ. विजय बंगा जी ने बताया कि विद्यार्थी अपने जिन्दगी के लक्ष्य खुद ही निर्धारित करें। हमेशा आन्तरिक शक्ति के आधार पर आगे बढ़ते जाएँ। तब तक ना सोएँ जब तक आप के सपने पूरे नहीं होते। असफलता भी आपके परिश्रम के बल पर सफलता में परिवर्तित हो जाएगी।

इस प्रकार सभी ने अपने अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में अच्छा स्थान प्राप्त करने के गुर सिखाए तथा रखी जानेवाली सावधानियों के बारें में जानकारी दी। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए कई अनसुलझे प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री अजय चौधरी जी ने कार्यक्रम में आए इन सभी बुद्धिजीवियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि यह कार्यशाला हमारे विद्यालय में सम्पन्न हुआ।

स्टूडेंट सोलर एंबैसेडर कार्यशाला का आयोजन

(हरियाणा) गीता निकेतन आवासीय विद्यालय की अटल टिंकरिंग लैब में 20 अक्टूबर 2018 को सोलर ऊर्जा थ्रो लोकलाइजेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी एवं आई.आई.टी. मुम्बई द्वारा स्टूडेंट सोलर एंबैसेडर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षकों के द्वारा सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी देते हुए सोलर लैंप बनाने की विधि सिखाई गई। अंत में विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप सोलर लैंप वितरित किए गए।

अखिल भारतीय हॉकी एवं टारगेट बॉल प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

(मथुरा, उ.प्र.) श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर में चल रहे विद्या भारती की अखिल भारतीय हॉकी एवं टारगेट बॉल प्रतियोगिता के सफल समापन में कार्यक्रम संयोजक श्री प्रेमशंकर जी द्वारा विजयी परिणामों की घोषणा की गयी। वहीं विद्या भारती खेलकूद प्रभारी श्री दिनेश यादव ने बच्चों का मनोबल बढ़ाया और कहा कि खेल में जीत और हार होती है तो दोनों को स्वीकार करना ही एक सफल खिलाड़ी की पहचान होती है।

बालकों के अंडर-14 आयु वर्ग में प. उत्तरप्रदेश क्षेत्र प्रथम तथा पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। जिसमें बालकों के ही अंडर-17 आयु वर्ग में प. उत्तरप्रदेश क्षेत्र प्रथम तथा राजस्थान क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। अंडर-19 आयु वर्ग में प. उत्तरप्रदेश प्रथम व मध्य क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। टारगेट बॉल के लिए प. उत्तरप्रदेश की टीम को पहले दिन ही दूसरी टीम न होने के कारण उनको विजयी घोषित किया गया।

बालिकाओं के मैच में अंडर-14 आयु वर्ग में प. उत्तरप्रदेश प्रथम रही, वहीं उत्तर क्षेत्र दूसरे स्थान पर रही। अंडर-17 आयु वर्ग में पश्चिम क्षेत्र प्रथम व पश्चिमी उ.प्र. क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। अंडर-19 आयु वर्ग में पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र विजय रही।

प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में भोपाल के छात्रों का दबदबा

(मध्यप्रदेश) सरस्वती शिशु मन्दिर केदारधाम आवासीय विद्यालय में आयोजित प्रान्तीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भोपाल के छात्र-छात्राओं का लगभग प्रत्येक खेल में दबदबा कायम रहा। खेले गये मैचों में भाला फेंक में भोपाल के महावीर सिंह प्रथम रहे। 5000मी. दौड़ में शुभम वामन प्रथम रहे 400मी. दौड़ में ग्वालियर के कुलदीप सिंह प्रथम रहे। वहीं राजगढ़ के वेधनाथ सिंह ने 400मी., 800मी., 1500मी. दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भोपाल के ही धीरज सिंह ने चक्का फेंक एवं भाला फेंक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद एवं त्रिकूद में नर्मदापुरम के ललित शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200मी. दौड़ में दीपक यादव एवं 3000 मी. दौड़ में आशीष पटेल प्रथम रहे। अन्य प्रतिभागियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

समिति के पदाधिकारियों ने सभी विजयी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दी।

इन्टर स्कूल स्पोर्टस एण्ड गेम्स कलस्टर-03
खो-खो प्रतियोगिता में विद्या भारती मुंगेर का जलवा

(झारखंड) सी.बी.एस.सी. द्वारा आयोजित इन्टर स्कूल स्पोर्टस एण्ड गेम्स कलस्टर-03 खो-खो की क्षेत्रीय प्रतियोगिता दिनांक 03-05 अक्टूबर 2018 तक संत जेवियर हाईस्कूल देवघर में सम्पन्न हुआ। जिसमें वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के बालकों की टीम अन्डर-17 आयु वर्ग में 21 टीमों के साथ कठिन प्रतिस्पर्धा कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच में मिथिला एकेडमी बोकारो से 13-3 और एक इनिंग से जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

31वें क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

(उत्तरप्रदेश) क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम के अवसर पर विद्या भारती पूर्वी उ.प्र. के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. डोमेश्वर साहू जी ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि विद्या भारती के द्वारा न केवल संस्कारवान विशिष्ट शिक्षा दी जाती है बल्कि छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-जगत में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनको मौका मिले, इसके लिए भी काम करती है। वर्तमान समय में विद्या भारती के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है।

इस खेलकूद समारोह की पूर्वसंध्या पर एक ज्योति यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई जो कि सिविल लाइन्स हनुमान मंदिर से होते हुए ज्वाला देवी सिविल लाइन्स परिसर में सम्पन्न हुई। उक्त ज्योति से ही खेलकूद में जलने वाला मशाल को प्रज्ज्वलित कर खेल का शुभारम्भ किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर सरस्वती वन्दना के साथ प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम के अवसर पर अध्यक्ष के रूप में विधान परिषद् सदस्य श्री यज्ञदत्त शर्मा जी, उत्तर प्रदेश खेल निदेशक डॉ. आर. पी. सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी इलाहाबाद श्रीमती चंचल मिश्रा, विद्या भारती पूर्वी उ.प्र. के उपाध्यक्ष श्री कंचन सिंह, काशी प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ. राममनोहर जी के साथ-साथ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय खेलकूद संयोजक (पूर्वी उ.प्र. क्षेत्र)

31वीं प्रांतीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

(मध्यप्रदेश) शिवपुरी के सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में प्रांत की 31वीं बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मध्यभारत प्रांत के शिवपुरी, भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर विभाग से 52 खिलाड़ी, 04 संरक्षक आचार्य, कई निर्णायक आचार्य सहित पूरा विद्यालय परिवार ने भाग लिया।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी श्री एम. के. धौलपुरिया ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बैडमिंटन को व्हाईट टी.शर्ट खेल कहा जाता है, जिसमें एकाग्रता, अनुशासन एवं धैर्य अति आवश्यक है। खिलाड़ी को खेल भावना के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सम्पूर्ण समर्पण के साथ खेलना चाहिए। वहीं कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य श्री ए.के. रोहित ने अध्यक्षता किया।

बालक-बालिकाएँ प्रत्येक खेलों को जानें ऐसा प्रयास होना चाहिए - विवेक शेंड्ये

(मध्यप्रदेश) सरस्वती शिशु मंदिर केदारधाम (आ. वि.) में 13 से 15 अक्टूबर 2018 तक चली क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मध्यभारत प्रांत के बालक-बालिकाओं का अच्छा प्रर्दशन देखने को मिला।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री विवेक शेंड्ये (मंत्री, विद्या भारती मध्य भारत) ने कहा कि दबाव में न रह कर खेलना एवं भूल को सुधारना एक अच्छे खिलाड़ी की निशानी है तथा अपने कार्य को अंजाम तक पहुँचाने के लिए आत्मविश्वास

का होना अतिआवश्यक है। एक-दो सेकेण्ड के अंतराल में जो आप द्वितीय से तृतीय स्थान पर पहुँच जाते हैं, उसे कैसे सुधारना है यह आपको सोचना है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री आनन्द प्रकाश दीक्षित, संयोजक श्री अवधेश त्यागी सहित कई पदाधिकारीगण मंच पर उपस्थित रहे।

राहुल सिंह राठौर

जोधपुर प्रान्त में प्रान्तीय प्रबन्ध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

(जोधपुर, राज.) विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर प्रान्त द्वारा प्रबन्ध समिति के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन प्रान्त में दो स्थानों पर सम्पन्न हुआ। 7 से 9 सितम्बर तख्तगढ़ जिला बाली एवं 28 से 30 सितम्बर ओसियां जिला जोधपुर में आयोजित हुआ। प्रान्त के 129 स्थान से 165 समितियों के कुल 425 दायित्त्ववान कार्यकर्ताओं (संरक्षक, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, व्यवस्थापक, शैक्षिक प्रमुख, प्रचार प्रमुख, सम्पर्क प्रमुख एवं सदस्य) उपस्थित रहे।

दोनों स्थानों पर सम्मेलन का शुभारम्भ माँ सरस्वती, ओउम् व भारतमाता के समक्ष चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

सम्मेलन में दो वैचारिक सत्र हुए जिनका विषय भारत केन्द्रित शिक्षा एवं बोध चतुष्ट्य था। तीन चक्रीय बैठकें हुई जिनका विषय सामाजिक समरसता, शैक्षिक नेतृत्व एवं अपने विद्यालय को सक्षम बनाना, चार आयाम एवं हमारी रीति-नीति व नियमों का पालन करने का स्वभाव बने, था। इसके साथ ही दो सामूहिक सत्र चर्चात्मक रहा जिसके विषय थे कार्यकर्ताओं की सम्भाल, युवा एवं मातृ शक्ति को प्रबन्ध समितियों में जोड़ना, नवाचार, सूचना प्रौद्योगिकी का अपने संगठन में उपयोग। अधिकारियों ने इन विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं समस्या का समाधान भी किया।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री मा. श्री राम जी अरावकर ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विद्यालय का लक्ष्य, नवीन राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली, हिन्दुत्वनिष्ठ, सर्वांगीण विकास, समाज के लिए समर्पित जीवन, लक्ष्य अनुरूप जीवन निर्माण, योग्य पीढ़ी का निर्माण, भारत को जग सिरमौर बनाना, विश्व में शान्ति का संदेश देना व पर्यावरण की रक्षा करना विषय पर प्रकाश डाला। सम्पूर्ण सृष्टि ईश्वर का ही अंश है, आत्मा परमात्मा का अंश है। यह भाव बढ़ेगा तो सामंजस्य बढ़ेगा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत व्याख्या एवं उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया।

राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री शिवप्रसाद जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा दायित्व को बोध कराने वाली हो एवं संस्कृति से जुड़ी हुई हो। केन्द्रबिन्दु राष्ट्र रहना चाहिए, शिक्षित व्यक्तियों की भीड़ खड़ी हो रही है पर राष्ट्र-भारत प्रथम नहीं है। ऐसे में क्या सार्थकता रहेगी। अपनी सर्वश्रेष्ठ संस्कृति यज्ञमयी है, शेष की भोगवादी पर हमने सबको अपना माना एवं विद्या को हमने सबसे बड़ा दान माना है।

समापन सत्र में प्रान्त द्वारा आयोजित प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा जो कि कक्षा पंचमी एवं अष्टमी कक्षा में अध्ययनरत भैया-बहिनों की होती है, उसमें प्रथम आए 50 विद्यार्थियों एवं प्रथम 5 विद्यालयों को अ. भा. अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी एवं प्रान्त अधिकारियों द्वारा राशि का चेक देकर प्रोत्साहित किया गया।

वहीं कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयसंवेक संघ के राजस्थान क्षेत्र के कार्यकारिणी सदस्य श्री नन्दलाल जी व श्री हेमन्त जी, जोधपुर प्रान्त के प्रान्त प्रचारक श्री योगेन्द्र कुमार जी एवं प्रान्तीय अधिकारियों का मार्गदर्शन मिला।

(गंगाविष्णु बिश्नोई)

प्रान्त निरीक्षक विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर

स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता जरूरी : रामेन्द्र राय

31वां प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयेजन

(बिहार) पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर (राजगीर) में चल रहे तीन दिवसीय 31वां प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विद्या भारती के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री व विद्यालय के सचिव श्री रमेंन्द्र राय ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए लोगों को स्वच्छता अपनानी चाहिए। वहीं खेल-कूद से तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। एक-दूसरे का समन्वय और टीम का नेतृत्व करने की भावना जगाती है। श्री राय ने कहा कि खेल हमें आत्म संयम भी सिखाता है। खिलाड़ियों की जीत पूरी टीम की जीत होती है। खेल हमें एकता, आत्मनिर्भरता व सहानुभूति सिखाता है। खेल हमें हार और जीत का आनंद लेना सिखाता है। हार में भी हँसते और मुस्कुराते रहने की सीख खेल प्रदान करती है। यह संसार भी एक खेल के मैदान की तरह है। यहाँ हम सभी किसी न किसी रूप में खिलाड़ी हैं।

विद्यालय के प्राचार्य श्री अमरेश कुमार ने कहा कि तन और मन के समुचित विकास के लिए खेलना जरूरी है। मीडिया प्रभारी श्री सुमन कुमार ने बताया कि तीन दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने जिस अनुशासन का परिचय दिया है, वह बहुत ही सराहनीय है। भारती शिक्षा समिति, बिहार के 33 विद्यालयों से लगभग 400 खिलाड़ी भैया-बहनों ने इस समारोह में सहभाग किया। खेल के समापन में विजयी टीम के खिलाड़ियों को विद्यालय के सचिव श्री राय ने अपने हाथों से ट्रॉफी प्रदान की।

सुमनकुमार चौधरी (प्रचार प्रमुख)

SCHOOL INITIATIVES TO 'DRAIN WATER COLLECTION' SYSTEM

Requirements:

- Paint Stainer
- 5 Gallon Bucket
- 55 Gallon Drum W/lid
- Down Spout Fittings
- Gutter Stainer
- 3/4 Spigot W/1/4 Turn Ball Valve

Advantages of drain water collection system

Now a days saving water is a very big social need. we can use rain water easily with drain water collection system and we can use the rain water in various ways like gardening, car washing, bathing and many others. so it is very important to collect drain water.

How to make drain water collection system

- Cut a bucket from a top.
- Cut the drum in the size of cut piece of bucket which should be fixed into the drum.
- Now, fit the down spout fitings from terris to drain water colection system.
- Cut the top of the container of the size of the pipe fitting.
- Install the paint stainer on the top of the container to get pure water.
- Install the gutter stainer on the top of the downspout fitting.
- Install the turn ball valve at the down side of the container to get water.

Aryan Gupta
IX B - Baaleram
Brajbhushan Saraswati Vidya Mandir,
D-block, Shashtrinagar Meerut (u.p.)

भौतिक संसाधनों का संकुल के अन्य विद्यालयों द्वारा उपयोग करना

यहाँ विशेष उल्लेखनीय यह है कि भौतिक संसाधनों का उपयोग संकुल के सभी विद्यालय परस्पर कर सकें, इस प्रकार की मानसिकता के साथ संकुल केन्द्र प्रमुख को व्यवस्था करने की आवश्यकता है। सभी विद्यालय विशेष रूप से ग्रामीण अथवा वनवासी क्षेत्र के विद्यालयों के लिए उपरोक्त सभी भौतिक संसाधनों की व्यवस्था करना सम्भव नहीं है। अत: सब पारिवारिक भाव के साथ एक दूसरे के संसाधनों का प्रयोग अपने छात्रों को करा सकें, इस प्रकार की परम्परा संकुल में विकसित करनी चाहिए। विशेष रूप से विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर आदि का प्रयोग करने की अनुमति अवकाश के दिनों में प्रदान की जा सकती है। संकुल केन्द्र के शिक्षकों को भी आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करनी चाहिए। इसी प्रकार घोष, खेल के उपकरण एवं संगीत वाद्यों का उपयोग भी किया जा सकता है। तभी हमारे विद्यालयों एवं छात्रों का शैक्षिक विकास हो सकेगा, जोकि संकुल संरचना का प्रमुख उद्देश्य है।

संदर्भ:- विद्या भारती की विद्यालय संकुल योजना
(मा. लज्जाराम जी की पुस्तक से)

धूमधाम से हुआ हिन्दी सप्ताह का आयोजन

(उत्तर प्रदेश) रज्जू भैया शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वाला देवी स.वि.म.इ.का. सिविल लाइन्स प्रयाग में हिन्दी सप्ताह का आयोजन 04 अक्टूबर को हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. राम किशोर शर्मा जी उपस्थित रहे।

हिन्दी पखवारे के समापन के अवसर पर हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका शीर्शक ''राज भाषा राष्ट्र भाषा'' था। यह प्रतियोगिता बाल, किशोर एवं तरुण तीन वर्गो में आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय के लगभग 1000 भैयाओं ने सहभाग किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विविधताओं का देश है, यहाँ लोगों की बोलचाल, खान-पान, पहनावे में काफी अन्तर है लेकिन सभी भारतीय एक हैं। हिन्दी के प्रति उनका एक अलग लगाव है। यही नहीं हिन्दी भाषा देश भक्ति की भावना को भी लोगों में जगाती है।

गाँधी जी एवं शास्त्री जी की जयन्ती पर हुए विविध कार्यक्रम

(उत्तर प्रदेश) दिनांक 02 अक्टूबर को गाँधी जी एवं शास्त्री जी की जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत महात्माँ गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन के साथ हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण किया। इसमें विद्यालय के सभी छात्रों ने राष्ट्रगान के साथ महात्मा गाँधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी को नमन किया।

विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में राष्ट्रपिता एवं जय जवान जय किसान का आह्वान करने वाले श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की राष्ट्रसेवा एवं अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री युगलकिशोर मिश्र ने विद्यालय के सभी छात्रों एवं समस्त आचार्यो को अपने आस-पास के समस्त परिक्षेत्र को सवच्छ बनाए रखने की शपथ दिलाई तथा उन्होंने कहा कि आज गॉधी जयन्ती को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाना तभी सार्थक होगा, जब उनके द्वारा राष्ट्र के प्रति त्याग, परोपकार, दया, अहिंसा एवं स्वच्छता की भावना को अपने अन्दर आत्मसात् करेंगे।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 October, 2018
Total No. of Pages : 8
RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18
Date of Posting -24-25 October, 2018

क्रियाशोध बच्चों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है - डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा

(हरियाणा) बालकों के विकास, कक्षा शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने एवं विद्यालय की दैनदिन समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षा में क्रियाशोध आवश्यक है। इस विषय को ध्यान में रखते हुए 18 अगस्त 2018 को संस्कृति भवन कुरुक्षेत्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 14 विद्यालयों से 13 आचार्य और 11 आचार्या बहनों ने भाग लिया। जिसमें क्रियाशीलता के साथ समस्याओं का निवारण करना और प्रयासों को लिखित में सहजता के साथ करना सीखा। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ (रिसोर्स परसन) के नाते डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा जी (प्राचार्य, सेठ बनारसी दास शिक्षण महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र) का मार्गदर्शन मिला। डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा ने बताया कि क्रियाशोध किस प्रकार बच्चों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। इसके बारे में क्रिया के सभी चरणों के बारे में विस्तार से बताया। क्रियाशोध के द्वारा बच्चों के भविष्य में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी ने प्रण किया कि हम क्रियाशोध को व्यवहार में लाएंगे ताकि बच्चों के चहुँमुखी विकास में सहयोग मिल सके।

प्रांतीय प्रशिक्षण प्रमुख श्री रामकुमार जी ने बताया कि जो प्रण करें, मन से करें और बच्चों के विकास में अपना योगदान करें। कार्यशाला में प्रांतीय शैक्षिक प्रमुख एवं प्रांतीय संयोजक (क्रियाशोध) उपस्थित रहे।

एक बालिका पर दो परिवारों को संस्कारित करने का दायित्व - रवि कुमार

(रोहतक, हरि.) बालिका के विकास एवं बालिका के नैसर्गिक गुणों के संरक्षण व संवर्धन तथा नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु 27 से 29 जुलाई तक शिक्षा भारती विद्यालय, रामनगर, रोहतक में हिन्दू शिक्षा समिति के तत्वावधान में प्रांतीय कन्या भारती कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्या भारती हरियाणा के 21 विद्यालयों से लगभग 103 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य वक्ता श्री रविकुमार जी ने अपने उद्बोधन में बालिका शिक्षा के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर बल दिया तथा बताया कि एक बालिका पर दो परिवारों को संस्कारित करने का दायित्व होता है।

वहीं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के डीन डॉ. प्रोमिला बत्रा ने छात्राओं को बताया कि आधुनिकता के नाम पर अंधानुकरण करने से बचें और पारंपरिक मान्यताओं को अपनाते हुए आगे बढ़ें।

विभागीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन

(भागलपुर, बिहार) पूरनमल सावित्रीदेवी बाजोरिया सरस्वती शिशु मंदिर, नरगाकोठी के प्रांगण में संस्कृति ज्ञान परीक्षा के तत्त्वावधान में विभाग स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन 06 अक्टूबर 2018 को किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रो. राणाप्रताप सिंह ने कहा कि प्रश्नमंच प्रतियोगिता वर्षों से चली आ रही है। विद्या भारती ज्ञान की प्राचीन परंपरा को जीवित करने में लगी है। हमें अपनी प्रतिभा का विकास करना है, उसे निखारना है। तन, मन, आत्मा, बुद्धि मिलकर जीव की रचना हुई है। हमें मन को नियंत्रित कर शरीर से बुद्धि के द्वारा कार्य करना है। प्राचीन समय का शास्त्रार्थ प्रश्नमंच ही था। ज्ञान का उपयोग समाज, राष्ट्र और विश्व के कल्याण के लिए करें।

सचिव डॉ. चन्द्रभूषण सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को कर्तव्यनिष्ठ एवं ज्ञान परायण बनाना है ताकि इसका उपयोग वे समाज-कल्याण के लिए कर सकें। उन्होंने प्रतिभागी बच्चों से कहा कि आप सभी सकारात्मक सोच के साथ लगन एवं निष्ठा से स्वाध्याय करें तभी सफलता प्राप्त होगी। प्रश्नमंच व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। ज्ञान ऐसा होना चाहिए कि जो ग्रहण के बाद हमारे व्यवहार और कर्म में उतर सके। ज्ञान ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

इस प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भागलपुर एवं बांका जिला के अंतर्गत सभी सरस्वती शिशु/विद्या मंदिरों से चयनित लगभग 400 प्रतिभागी भैया-बहिनों ने भाग लिया।

आप सभी को विद्या भारती परिवार की ओर से विजय दशमी उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013